Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh

कक्षा- तीसरी

शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला-3

पाठ- 7 गौरैया के बच्चे

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा तीसरी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक में दिए पाठ-7 'गौरैया के बच्चे' के शेष भाग को पढ़ेंगे व समझेंगे।

बच्चो! पीछे हमने पढ़ा कि अमन और सुनीता के घर के पीछे उपवन था वहाँ एक पेड़ पर गौरैया का घोंसला था। घोंसले में चार छोटे-छोटे अंडे रखे हैं। अमन ने बताया कि मैंने गौरैया के अंडों को हाथ नहीं लगाया।

कुछ दिन बाद अंडों में से चार नन्हे-नन्हे बच्चे निकले। तीन-चार दिन बीतने पर घोंसले में से बच्चों की आवाज़ें धीमी-धीमी आ रही थीं। अमन ने देखा कि गौरैया अपने बच्चों को एक-एक करके खाना खिला रही थी। गौरैया की चोंच में एक लंबा कीड़ा था जिसके छोटे-छोटे टुकड़े वह

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय- हिन्दी साहित्य

अपने बच्चों की चोंच में रख रही थी।

कुछ दिन बाद गौरैया के बच्चों के छोटे-छोटे पंख निकल आए। वे अब घोंसले में रखे खाने को वे खुद ही खाने लगे थे। कुछ दिन बीत जाने पर वे बच्चे अपनी माँ के सिखाने पर उड़ना भी सीख रहे थे। अमन और सुनीता उन्हें बड़ा होते देखकर खुश थे।

फिर एक दिन वे बच्चे घोंसला छोड़कर उड़ गए और फिर लौटकर नहीं आए। यह देखकर अमन और सुनीता जब उदास हो गए तो पिता जी ने उन्हें समझाया कि पंख आ जाने पर चिड़िया के बच्चे खुली हवा में उड़ना पसंद करते हैं। चिड़िया भी अपना नया घोंसला बनाती है।

अमन के पूछने पर कि क्या गौरैया दुनिया के हर देश में पाई जाती है तो पिता जी ने बताया कि सब जगह तो नहीं लेकिन जहाँ आदमी रहते हैं लगभग वहीं जगह गौरैया पाई जाती है। सुनीता के पूछने पर कि क्या हमें पक्षियों के लिए दाना और पानी रखना चाहिए न ? पिता जी ने कहा कि हाँ मेरी बिटिया, हमें पक्षियों का ध्यान रखना चाहिए।

कक्षा- तीसरी

शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय- हिन्दी साहित्य

बच्चो! इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हमें पक्षियों की देखभाल करनी चाहिए। उन्हें क्षति नहीं पहुँचानी चाहिए।

गृहकार्य

सभी बच्चे इस पाठ को दो-तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे तथा निम्न कार्य को अपनी-अपनी साहित्य की कॉपी में लिखेंगे।

→ शब्द अर्थ

- उदास - दुःखी
- पेड़ - वृक्ष
- चिड़िया - पक्षी
- पंख - पर
- उपवन - बाग, बगीचा
- फुदकना - उछलना, कूदना
- चहकना - मीठी आवाज़ में बोलना
- दाना-पानी - भोजन

→ वाक्य बनाओ

1. देश - मेरा देश महान है।
2. आवाज़ - कमरे से बच्चे के चिल्लाने की आवाज़ आ रही है।
3. वृक्ष - हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।
4. पंख - मोर के पंख बहुत सुन्दर होते हैं।
5. उपवन - उपवन में बच्चे खेल रहे हैं।

धन्यवाद।

[Last Page]